Announcement by the Speaker regarding

Simultaneous Interpretation in the Parlimanent of India

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि संसद के अंदर हिंदी और अंग्रेजी के अलावा दस भाषाओं अर्थात असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओड़िया, पंजाबी, तमिल और तेलुगु में साइमलटेनियसली भाषांतरण हम सदन में पहले से ही उपलब्ध करा रहे थे ।

अब हमने छ: भाषाओं को, बोडो, डोगरी, मैथिली, मणिपुरी, संस्कृत और उर्दू को भी इसमें शामिल किया है । इसी के साथ जो अतिरिक्त 16 भाषाएं हैं, उन 16 भाषाओं के अंदर भी जैसे-जैसे मानव संसाधन मिल रहा है, हमारी कोशिश है कि हम साइमलटेनियसली भाषाओं का रुपांतरण कर सकें ।

मैं आपको यह भी बताना चाहता हूं कि दुनिया के अंदर भारत की संसद ही एक लोकतांत्रिक संस्था है, जो इतनी भाषाओं के अंदर साइमलटेनियसली भाषांतरण कर रही है । जब मैंने विश्व स्तर पर यह चर्चा की कि हम भारत में 22 भाषाओं के अंदर इस तरीके का प्रयास कर रहे हैं, तो सर्वत: सभी मंचों ने इसकी प्रशंसा की ।

हमारा प्रयास है कि जो 22 भाषाएं हैं, जो मान्यता प्राप्त हैं, आने वाले समय में जैसे-जैसे मानव संसाधन मिलते जाएंगे, हमारी कोशिश है कि आपकी टेबल पर आप उन 22 भाषाओं के भाषांतरण को भी सुन पाएंगे ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मारन जी, आपको इससे क्या समस्या है? आप खड़े होकर बताइए । आपको क्या परेशानी है?

THIRU DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Thank you, Sir, for giving me an opportunity. This is a welcome move that you are arranging to provide interpretation in the States? official languages. Can you tell me which State?s official language is Sanskrit? Why are you wasting the taxpayers? money in such a language which is not even communicable? ....*(Interruptions)* Is it communicated in any of the States in India? Nobody speaks this language. ....*(Interruptions)*

Sir, the population survey of 2011 said that only 24,821 people are supposed to be speaking this language. ....*(Interruptions)* When there is a data, why should the taxpayers? money be wasted because of ... * ....*(Interruptions)*

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, आप दुनिया के किस देश में रह रहे हैं? यह भारत है और भारत की मूल भाषा संस्कृत रही है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** इसीलिए, हमने 22 भाषाओं में भाषांतरण के बारे में कहा, केवल संस्कृत के लिए नहीं कहा । आपको संस्कृत भाषा से क्यों आपत्ति हुई? आपको हिंदी भाषा में आपत्ति है, आपको संस्कृत भाषा में भी आपत्ति है? भारत में 22 भाषाए हैं, जो संसद से मान्यता प्राप्त हैं । उन 22 भाषाओं में भाषांतरण होगा, संस्कृत में भी होगा और हिंदी में भी होगा ।

———